जिस ने हरी गुण गाए हरी दौड़े चले आए Bhajans Bhakti Songs

जिस ने हरी गुण गाए,
हरी दौड़े चले आए ।

भक्त प्रहलाद ने था पुकारा,
हिरण्यकशिपु को आकर के मारा ।
नरसिंह रूप धर आए,
हरी दौड़े चले आए ॥

दौपदी कौरवों से घिरी थी,
मुरली वाले से विनती करी थी ।
हरी आकर के चीर भडाए,
हरी दौड़े चले आए ॥

ऐसा भक्तों ने डाला थे फंदा,
प्रभु आप बने नाई नंदा ।
प्रेम से चरण दबाए,
हरी दौड़े चले आए ॥

दर्योधन के मेवा भी त्यागे,
भूख लागी तो उठ करके भागे ।

साग विधुर घर खाए,

Source:
https://www.bharattemples.com/jisne-hari-gun-gaye-hari-daude-chale-aaye/

Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw